

सुरक्षति मातृत्व सुनिश्चति करेगा एम्स दल्लि और आईआईटी रुडकी का 'स्वस्थ गर्भ' एप चर्चा में क्यों?

27 दसिंबर, 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुडकी के प्रोफेसर के.के. पंत ने बताया कि आईआईटी रुडकी के शोधकर्त्ताओं ने 'स्वस्थ गर्भ' स्मार्टफोन एप बनाया है। इस एप को नई दल्लि के एम्स की मदद से तैयार किया गया है।

प्रमुख बदि

- प्रोफेसर के.के. पंत ने बताया कि 'स्वस्थ गर्भ' स्मार्टफोन एप गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और रयिल टाइम (तुरंत) चिकित्सा उपलब्ध कराने में मदद करेगा। यह विशेषकर उन कषेत्रों की महिलाओं के लयि लाभकारी है, जहाँ चिकित्सा सेवा आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती। गर्भावस्था के लयि यह पहला एप है, जो तुरंत डाक्टर की सलाह सुनिश्चति करता है।
- उन्होंने बताया कि यह क्लिनिकली प्रमाणित होने के साथ वशि्वसनीय भी है। एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। एप का लाभ मरीज और डाक्टर दोनों नःशुल्क ले सकते हैं।
- गौरतलब है कि आईआईटी रुडकी के बायो साइंसेस और बायो इंजीनियरिंग वभिग के शोधार्थी साहलि शर्मा और प्रो. दीपक शर्मा ने दल्लि एम्स की प्रो. वत्सला डधवाल और प्रो. अपरणा शर्मा के सहयोग से 'स्वस्थ गर्भ' एप तैयार किया है।
- एप में गर्भावस्था से जुड़े सभी पहलुओं को शामिल किया गया है, जैसे- हर क्लिनिकल टेस्ट का रिकार्ड रखना और समय पर दवा लेना।
- प्रोफेसर के.के. पंत ने बताया कि 'स्वस्थ गर्भ' एप के लाभों को सामने रखने वाला एक शोध पत्र प्रतषिठति 'पीयर-रवियू आईईईई जर्नल आफ बायोमेडिकल एंड हेल्थ इंफार्मेटिक्स' में प्रकाशित किया गया है।
- आईआईटी रुडकी के बायो साइंसेस और बायो इंजीनियरिंग वभिग के प्रोफेसर दीपक शर्मा ने बताया कि निवजात मृत्यु दर का अधिकि होना गंभीर चति की बात है। इसके मद्देनजर वकिसति स्वस्थ गर्भ मोबाइल एप सभी गर्भवती महिलाओं को रयिल टाइम चिकित्सा सहायता देगा और गर्भावस्था में माँ-शिशु स्वास्थय की स्थिति में सुधार करेगा। इसके साथ ही, यह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत मशिन को आगे ले जाने में मदद करेगा।
- दल्लि के एम्स में डीन (रसिर्च) प्रो. रमा चौधरी ने बताया कि 'स्वस्थ गर्भ' एप गर्भावस्था की आम समस्याओं के संभावति समाधान में काफी उपयोगी होगा। घर-घर 'स्वस्थ गर्भ' एप पहुँचाकर इसकी मदद से गर्भावस्था में माँ-शिशु का जीवन आसानी से बचाया जा सकता है।
- दल्लि एम्स के प्रसूति और स्तरी रोग वभिग की प्रो. वत्सला डधवाल ने बताया कि एप के जरयि गर्भवती महिला डॉक्टरों के बीच संवाद होने से गर्भावस्था के बेहतर परिणाम मिलेंगे। पायलट स्टडी से पता चला है कि यह एप गर्भवती महिलाओं के साथ डाक्टर भी इस्तेमाल कर रहे हैं।
- उन्होंने बताया कि एप की उपयोगति को लेकर 150 गर्भवती महिलाओं का क्लिनिकल आकलन किया गया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि एप से प्रसव पूर्व देखभाल की गुणवत्ता बढ़ी है और समस्याएँ कम हुई हैं। एप पर रजिस्टर्ड महिलाओं के प्रसव पूर्व सलाह के लयि अस्पताल आने की माध्यमिक संख्या में वृद्धि देखी गई और उनमें वशि्व स्वास्थय संगठन के दशिा-नरिदेशों का बेहतर अनुपालन भी दखिा।
- वदिति है कि कोविड-19 महामारी आने के बाद स्वास्थय सेवा में टेलीमेडिसिनि का महत्त्व बढ़ गया है। वर्तमान में पूरी दुनयिा में एक अरब से अधिकि लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में स्वस्थ गर्भ एप में चिकित्सा जगत को बदलने और बेहतर स्वास्थय सेवा देने की असीम संभावना है।